

विवितासकलासहस्रहली मधुनका मलका कषदावली नृनृगदा उय
 वसतनस्वमीम् ॥ वाचःपन्नवयस्युमापनिधनः सैदहं बुद्धिगिमीजा
 नीनऊयदेववुवजनदी ॥ ध्यादूहूदूग ॥ गृमनाहनसत्यमयन
 वनेनाचार्यमवर्द्धनः स्यद्वाकापिनविद्युतः धूमिधनाध्यायी कवि
 क्रापति ॥ ॥ ~~पहडियानागापहडमनाला~~ ॥ प्रत्ययपयाधिऊलस
 गवानसिवदे ॥ विहिनवहिगुवनिगुमखिदे ॥ केगवधुगमीनगनीनऊय

मा. ॥ ग. न पट वा हे क स य न कान नानि ॥ ह हि द रु नि व नः क र की गे ध व ५४ ५
 ५ स न द स म वा न या टा व रू न्ध वा रु ४॥ उ मी ल न्म धू र्ग ध त्त्व म धू प वा धू न चू र्मा
 कू न्क्रो ड त्का क्ति ल का क ली क ल क ले नू र्जी र्धू क र्धू द्वा ना ४ नी यं गे य धि
 के ४ क थं क थ म पि ध्वा ना व धा न द्वा टा फ या टा स मा स मा ग म न सा ज्ञा से
 न मी वा स ना ४॥ ॥ श्रु न क ना त्री य नि नं रु सं उ म हू न न्म ना हा नि वि ना स
 हा त्त्स र्मा म्ना नि मा ना दू य द र्ग यं स्य सो स र्वी स म द्वा पू न ना ह ना धि की ॥

नामः
 ५

य व ना यि च थ य नि । अ पि ज्ञा म्भ रू गी च दि न न म ली या न म्भ कू ल प्र सू ति
 धू गानी स खि नि ख नि ली यं स ख य नि ॥ ॥ नि वी गी ग र्ग वि न्द न्द
व क र वा ना म दि ती यः स र्ग ४॥ २॥ ॥ कं ता नि न पि स सा न्वा म्ना व द्वा
 र्ग र्वा ली । ना धा मा धा य रु द य न त्या उ उ उ स न्द नीः ॥ नू न स न्म ल्मा म न्
 स्य ना धि का म नं ग वा न वृ ण खि न्न मा न स ४ कृ गान् ना यः स क ति न्द न दि
 नी न टा न्क कू उ वि ष सा द मा ध व ४॥ ॥ क रान ना र्ग प न ना न ॥ मा मि र्य

गी.ग. १२

वसिताविलाकृष्टं वधूनिवयनसायनाधगयामयापिनवातिगामिह
यन॥॥॥ हनिहनिहनादनगयागनासाकृयिगवा॥॥॥ किं कनिष्ठाभि
किं वदिष्यति सावित्रीविनहनकिं जननधननकिं ममजीविननसुख
ना॥॥॥ चिक्रयामिगदाननैकटिलकुकायहनेष्ट॥॥॥ लपयामिवाप
निउमगाकृल्लुमनेष्ट॥॥॥ नामहृदिसंगनामनिर्हृदोनिमया नामः
मि किं वननसनामिगामिह किं वृथाविलयामि॥॥॥ तन्निखितमसूय १२

या हृदयं गवाकलयामि तत्रवद्विकृतागतासिनननेनयामि॥॥॥ दृग्ध
सपूनागतागममवमविदधासि किं पुनवससंभुमपनिनमृद्वनद
दासि॥॥॥ हृम्यगामयनैकदायिगवदृष्टनकनामिदहिसुनिदर्शन
मममन्मथनदनामि॥॥॥ बर्हिर्नऊयदवकनहवनिर्दृष्टवननकिं
द्विल्लेसमृदसंरुववाहिनीनमलन॥॥॥ ॥ हृदिविल्लेसनाहानाना
यउउऊमनायककृवल्लयदसंरुदीकल्लनसागनल्लयमिगामल्लयजन

गी. ७॥ जानदं रुसपिया नरुन मयि प्रहनन रुन अं त्या नरु कृ धा कि मुध वसि ॥
 १३ पा (लो) मा कृ न चूत सो य कम मूं मा वाय मा ना य य की जानि कि न वि श्व मूर्ति न
 ऊना द्या न न किं यो नू र्षी । न स्या नु व मृ गी दृ (लो) मन सि ऊ प्र त्व कटा द्वा ग (लो)
 सी ऊ र्द्ध नि रं म ना ग यि म ना ना घा यि सं धू क न ॥ इ वा य नि हि न कटा रु वि मि
 र्वा नि र्मा तु म र्म वा धां (लो) मा त्मा कृ टि ल ४ क ना तु क व नी रु ना यि मा ना य मं ।
 मा हं गा व द र्च व न चि त नू र्ता वि श्वा ध ना ना ग वा नू स ह रु रु न म धु ल रु व क र्थ

नामः
 १३

प्रा (लो) म म क्री उ गि ॥ ना नि स्य र्ज स र वा नि न च न न ला ४ सि ग्धा द (लो) वि रु मा रु द
 क्रा म्ब ऊ सो न रु स व स्र धा स्य न्दी गि नां व क्रि मा । सा वि श्वा ध न मा धू नी ति वि ष
 या र्सां ग यि य न्मा न र्सां त स्यां ल ग्न स मा धि रु न वि न ह वा धि ४ क र्थं व र्हे त ॥ इ य ल
 वं ध नू न या न न र्जि ना नि वा द्वा यु ल ग्न व ल या सि नि ति स्र न ला । न स्या म न रु ऊ
 य ऊ रु म द व ना या म स्रा सि नि र्जि त ऊ ग नि वि म र्थि ना नि ॥ ॥ रु नि ष्टी गी न
(गा) वि न्द म्ब म धू र्द ना ना म ह नी र ४ र्ग र्ग ॥ ३ ॥ ॥ य म्ना ती न वा नी न नि र्क

गी. भा.

१४

ऊमन्दमास्तिर्न। प्राह यमरुना द्वा नैसाधवैनाधिकास्खी॥ ॥ **काननानाया**
७ ॥ निन्दति चन्दनमिन्दुकिनेन मनू विन्दति खदमधीनं व्यालनिलयमिनन
गनलुमिव कलयति मलयसुमिर्न॥ ॥ साविनहनवदीनामाधवमनसि ऊवि
लियरुयादिवरुवनयात्वयिलीना॥ ॥ ॥ अविनलनियतिनमदनसुनादिव
रुवदवनायविमोर्लखदयममनिवर्मकनातिसुऊलनसिनीदलजाली॥ ॥
॥ कसुमविनिखनननल्यमनल्यविलासकलाकमनीय। वनमिवनवपनिन

नामः
१४

॥ ॥ **रुतिगीताभाविन्दसिन्धमाधवानामचतुर्थः सर्गः ॥ ४ ॥** ॥ अहमि
हनिवसामि याहिनाधा मन्नेयमद्वचनेन चानयथा ॥ ॥ रुतिमधूनिपूष्पास्खी
नियूका स्वयमिदमत्यपूतर्जगदनाधी ॥ ॥ **वाजविजय ॥ इतनुकनाल ॥**
बहति मलयसमीन मदनमयनिधाय सुटनिकसुमनिकन विनहिदुद
यदलनाय ॥ ॥ गवविनहवनमालीसखीसोदति ॥ ॥ ॥ दहति गिगिनमयूष
मननमनूकनातियनतिमदनविगिरव विलयति विकलगनाति ॥ ॥ ॥ धनानि

गी.स्थ.

११

मधुसूक्तं शुद्धममिदं धामि नमस्तु त्विह विनह निमिनिमिन्नुक्तं मय्यानि
॥ ॥ वरुनि विपिनविनामस्तु जगित्तु त्विह धामस्तु ० निधनस्तु नयनवद्विल
पतिनाम ॥ ॥ रुदानी कविजयदव विनह विलासितनमस्तु नरुसविहव
रुनिन्दयतु सुहृन्मन ॥ ॥ ॥ पूर्वयत्तु मत्तु याननियननासादिना ० सि
द्धयस्तु स्मिन्नवनिर्कुं जमन्मथ महातीर्थपुनर्माधव ॥ ॥ क्षायित्वा मनिर्गुं ज
यन्नयिन्नेवालाय मन्त्रावली रुयस्तु वक्र रु निरु नयनि नम्रा मृगं गच्छति

कमः

११

॥ नटना ॥ ॥ स्वर्ग ॥ ॥ नगिसुखसान गगमहिसा नमदनमनाद नववर्ग
न कूननिगम्बिति गमनविलम्बन मन्सत्र नंद दयणी ॥ १ ॥ धीन समीन यम्
ना नीनवसति वन वनमाली ॥ २ ॥ नामसमर्त कृगर्त कर्त वाद यत मृद्वर्त
वद्धमन्त नन्त नन्त नन्त संगत यवन बलिग मयिन ॥ ३ ॥ पतति पततु विवल
तियगुर्त किनरु वदुपयान नवयगि नयन सचकि नयन पन्थनित वप
धन ॥ ४ ॥ मुरवन मधीन त्यज मञ्जरीन नियमिव कलिसुतात् वलसुखि कृञ्

गी. (ग.)
१८

सुनिमिनपुंङ्गुं लीलयतीलनिवाली ॥४॥ उ नसिना ननृपदिन हान नयनव ॥ व
ननलवलाक तउदिवपीन नतिवियनीन ना असि सुकृतवियाक ॥५॥ विग
सिगवसनी पनि हन नसनी चट य उ यन मयि धानी कि ललयन यन यदु उ
नयन निधिमिव हर्ष निधानी ॥६॥ हनि नहि मानिन अनि निदानि मिय मयि
याति विनाम कृ न मम वचन सत्वन न वनी पून यम धूनि प्रकाम ॥७॥ श्री ऊ य
द व हन हनि सु व हन नितिय नम नम नीय प्रमदिन हृदय हनि मगि सद य नम

नामः
१८

नसुहृग कमनीय ॥८॥ ॥ विकि नति मरु ४ ॥ सा नाना मृना मरु नी हन प्र
विगति मरुः क उं गु उं मरु व ह गाम्यति न वयति मरु ४ ॥ यी य यी कली म
रु नी हन मदन के दन क्का क ४ का क प्रिय सुव वलन ॥ लदा कन सम सम ग्र म
धूनाति गमां शु न र्ग ग गा (ग) विन्द स्य म नान (ध) न व सम प्रा क न म ४ सा नु गी ॥
को कानी क नृ ल खन न सृ ली दी र्घा म द स्य र्थ ना ग मृ ग्य विरु ली विल म्वन म
सो न म्या हि सा न द ४ ॥ आ (श) वा द न र्वा ना द न न र्वा ल र्वा द न र्वा न क उ प्रा दा ध

गी. ७३.

१२

दत्तसंज्ञादत्तनगान्मदत्तप्रानयाः। अन्त्या न्यंगनयाः उमाभिसिनयाः। तैरुप
लोक्तानां ईम्यस्याविहकानकानगमसिक्तीताविः। अत्रसः॥ सरुयवकिर्गवि
न्यस्यानीह नमिमिनयधिप्रमिमन्मदृष्टिस्त्वामंदपदानिविनन्वती। कथम
पिनरुः प्राफामं गेननद्रिहिः॥ सुमृदिसुहगः॥ पथन्सत्तामयेतिहगार्थगी॥
॥ ~~अभिधीगीनगाविन्दसाकांक्षप्रभुनीकादः॥ ३५॥ मः॥ सर्गधाः॥~~ ॥ अथ रामः
गीगन्तुमकांचिनमन्त्रकांलगागृहदृष्ट्वा॥ तच्चनिर्गगाविन्दमजसिजमं १२

दसरवीप्राह॥ ॥ ~~नाटनागा॥ अगिनाट॥~~ पथतिदिनिदिनिनरुसिरुवर्कत
दधनमधूनमधूनिपिवर्क॥ १॥ नाथरुनसीदतिनाक्षवात्सगृह॥ २॥ त्वदहि
सनधनरुस्रनवलकीयतनियदानिकिर्यमिचलकी॥ ३॥ विहितविमदवि
वाकिमलयवसयाजीवतिपनमिहगतवनतिकलया॥ ४॥ मद्रुनवलाकिन
मधुनलीलासधूनिपूनहमितिहावनभीला॥ ५॥ त्वनितमयेतिनकथमहि
सानरुनिनिगिवदतिसखीमन्त्रांन॥ ६॥ अस्मिन्निवृत्तमिजलधनकल्प

गी. २०.

२०

हृनि नृप गतं नृनि निमि नम नर्त्तय ॥ १ ॥ रु व नि वि ल स नि नि वि ग ति ने ल क्ता वि ल य
ति ना दि नि वा स क स क्ता ॥ २ ॥ श्री ऊ य द व क व नि द म् दि नं न सि क ऊ नं न नृ गा
म नि म् दि नं ॥ ३ ॥ ॥ वि पू ल पू ल क पा लि ४ स्त्री ग सी ल्ता न व न् ऊ नि ग ऊ डि म का
कू पा कू लं वा ह न की । ग व कि न व वि ध ह म न्द क न्द र्प वि का स्म न ऊ ल नि धि म
ग्न धा न ल ग्न मृ ग्म मृ ग्म दी ॥ ५ ॥ श्रु श्वा रु न र्ण क ना नि व दू ग ४ य द्र पि र्म वा
वि लि श र्फ ली य नि धा क्क न वि न नृ ग न ध्या वि र्म धा य ति ॥ ६ ॥ त्या क ल्य वि क ल्य

गी. २०.

२०

ग ल्य न व ना सं क ल्य ली ला ग न ध्या ॥ का पि वि ना ल या व न ग न् र्त्रे ष नि ग्न न ष ति ॥
॥ १ ॥ नि ग्नी गी ग न्मा वि न्द वा स क स क्ता व र्ध नो ना म व ४ ४ स र्ग ॥ २ ॥ ॥ श्रु प्रा क्त न
च कु ल टा कू ल व र्त्त या न र्ण क ता ग न क ॥ व लू ट ला क्क न ग्नी ४ व न्दा व ना क्त न म
दी य य दं मु दी र्फ दि क्क द नी व द न च न्द न वि न्द नि न्द ॥ ३ ॥ प्र स न ति ग्न न ध न वि न्द
वि हि ग वि ल र्ध न मा ध व वि ध्ना ॥ वि न वि न वि वि ध वि ला र्प सा य नि ना र्प च का
ना च्छे ॥ ४ ॥ व ल व ली ॥ ५ ॥ स र्ग ॥ य न ना सा ॥ क थि न स म य पि ह नि न ह रु ना य यो

गी.ग.

२१

वनममविरुल्लसतदनन्वयमवियोवनं॥१॥यामिहकमिरुल्लसतर्गसखीजनवन
नर्वचिता॥२॥यदनगमनायनिमिगरुनमयिनीतिर्गजनममहर्दमिदमस
मजनकीतिर्ग॥३॥ममनेनमववनमनिविगतथकतनाकिमिरुविषहामिवि
नस्तानलदग्धवतना॥४॥श्रुहकल्लयामिवलयादिमलिरुवर्गहनिविनह
दहनवहननवहदूषर्ग॥५॥मामिरुविधूनयमिमधूनमधूयामिनीकापिरु
निमनूरुवगिरुगल्लसतकामिनी॥६॥कसमसुकमानतनमननल्लनलील

नामः

२१.

वि

यासुगपिहदिहकिमामपिषमनीलया॥७॥श्रुमिरुनिवसामिनविगतिग
वनवगल्लसतमिमधूसूदनामामपिनवतसा॥८॥हनिवनल्लनल्लऊयद
वकविरुल्लनगीवसुहृदिश्रुवगिनिवकामलकलावगी॥९॥॥गर्किंकामपि
कामिनीमरुहृगर्किंवाकलाकलिरुर्वद्धावन्धुरिनन्धकानिष्टिवनायाककि
मूत्राम्यनि।कान्क३क्राकमनामनागपिषधिप्रस्काउमवाहम३र्गकगीहृगम
शुर्वहनलगाक३ऊयियन्नागत३॥॥श्रुथागतामाधवमकनल्लसखीमियंकी

गो. २२

हविषादमूकी॥विष्णुमानानमिर्गं कयापि ऊनाईतं दृष्टवदं नदाह॥
रामासीनाम॥**स्वर्गदि॥** स्मनस्मनाविनविनविनवन्मगलिनकमरुनवि
ल्लितकं॥**१॥** कायिमध्विपूनाविलसमिपूवमिनधिकगुणा॥**२॥** हवि
यनिनरुदवलिगविकाना॥**३॥** कवकल॥**४॥** यनिनलितहाना॥**५॥** विकचऊल
ऊललिताननचन्द्रा॥**६॥** तदधनयाननरुसकृतनडा॥**७॥** च॥**८॥** लकृष्टुलललिकैने नामः
याता॥**९॥** मखनिनवसनऊद्यनगनिलाता॥**१०॥** दयितविलाकिनलज्जिनहसि २२

नावहविधकूजिननतिनसनसिता॥**११॥** विपूलपूलकष्टथ्वपथूरुक्षस्वसि
गनिमीलितविकसदनक्ष॥**१२॥** शुभऊलकलरुनसूरुगलनीनापनियनितान
सिनतिनलधीना॥**१३॥** श्रीऊयदवरुनिर्गहनिनमिर्गकलिकलूर्षऊनयकु
पनिगमिर्ग॥**१४॥** ॥विनपाष्टुमूनाविमूखामूऊशूतिनयतिनयन्नपिधदना
॥विध्वनगीवतनातिमनारुव४सूदुदयदुदयमदनव्यथं॥**१५॥** कामादना
रा॥**१६॥** प्रकलाल॥**१७॥** समुदितमदननमहीवदननवृन्धनवलितोधन॥**१८॥** विलिखति

२३

२३

निलकं प्रविलसद लकं मृगमिव न ऊनीक न ॥ १ ॥ नमनय मूना प्रतिभवनं
विजयी मूना निनभूना ॥ २ ॥ घनवय नृवि न वयति विकृतं न तिन न न
लानन कृव क क स मं वय ला स स मं न मियति मृग कानन ॥ ३ ॥ घटयति ऊ
घन कृव य गं ग न मृग म द नृवि नृषि न म सि न स म म लं गा न क प ट लं न ख
प द ल णि हू षि न ॥ ४ ॥ जिन वि षा स क ल मृद षु ऊ ष ग लं क न ग ल न ति नी द
लं म न क ट व ल यं म ध क न नि च र्यं वि न न ति हि म गी त ल ॥ ५ ॥ न ति गृ ह ऊ

ग ३

२३

स्मन ल न ऊ ऊ नि ना पि सा प्र ल न ॥ मृ न न य व च न व द न म लु पु द न म पि पि
य मा ह सा स सूर्य ॥ १ ॥ न न ना ण ॥ प नि मा न ॥ न ऊ नि ऊ नि ग यु नृ जा ग न ना
ग क षा यि त म ल स नि व णं व ह नि न य न म नृ ना ग मि व सू ट मृ दि न व सा हि नि
व णं ॥ २ ॥ या हि मा ध व या हि क षा व मा व द के न व वा दं गा म नृ स न स न सी न
ह ला च न या न व ह न ति वि षा द ॥ ३ ॥ क ऊ ल म लि न वि ला च न वृ म्ब न वि न
चि न नी ति म नृ यं द ल न व स न म नृ णं ग व कृ षू ग ना मि न ना न नृ यं ॥ ४ ॥ व प

गी. ८५
२७

ननूरु नमि नवत्सतसमानखननखननदुगनखननकनसकलकलिनकल
 लोमलिपलिवनमिऊयनखं ॥ ३ ॥ चनककमलगलदलैककलिकमिदं
 नवदुदयमूदार्नदनीयगीववहिर्मदनदुर्मनवकिंललयपनिवार्न ॥ ४ ॥
 ॥ दलानयदंरुवदधनगमंसमऊनयमिदमसिखदं कथयतिकथमधुना
 पिसयासहगववपूनगदरुदं ॥ ५ ॥ वहिनपिमलिनगनंनवकुसुमनापि
 रुविष्मिनिनूर्नकथमथवश्रयसऊनमनूगनससमलाननूर्न ॥ ६ ॥ रुवति
 कनइ ॥

नामः
२७

रुवानवलाकवलायवनश्रुकिमप्रविचिर्तं प्रथयमिपूगनिकैववधूवधनिर्द
 यवातवनिर्तं ॥ ७ ॥ श्रीऊयदवरुमिननमिर्वचिनखलुनयवनिविलोप
 ॥ ८ ॥ गसूधमधूर्नविवधलयनापिसूखंदनवायं ॥ ९ ॥ ॥ नवदंषध्या
 ॥ १० ॥ सनदननार्गवहिनविप्रियायादानकवुनिनमनूदशानिदुदयीममा
 यप्रकागप्रलयरुयरुनकिगवत्तदात्ताकः ॥ ११ ॥ कादयिकिमयिलऊंऊन
 यमि ॥ ॥ रुमिष्टीगीनगाविन्दविलकलसीयमिर्नामासुमसुमसुम ॥ १२ ॥ ॥

मी. (ग). २१

२१

अथ गौ मन्मथस्त्रित्री नमि न सहि त्री विषाद संघ त्री। अत्र चि कि न ह नि व नि गौ
कल हा क नि मा म् वा व स र वी॥ ॥ ध न्ना धी ना ला ॥ ख र्ज नि ना ला ॥ ह नि न हि स
न मि व रु मि म धू य व न ॥ कि म प न म धि क ह र्व स र वि डु व न ॥ ॥ मा ध व मा क न
मा नि नि मा न म य ॥ ॥ ॥ गाल रु ला द पि यु न म मि स न र्त् किं वि रु ती क न र्ध
क व क ल र्ण ॥ ॥ ॥ क मि न क थि म मि द म नू प द म चि र्त् मा प नि ह न ह नि म
नि म य न चि र्त् ॥ ॥ ॥ कि मि मि वि षी द सि ना द पि वि क ला वि ह स मि य व मि स

नामः
२१

ह्यग व स क ला ॥ ॥ ॥ स ज ल न लि न द ल गी ति म ण य न ह नि म व स क य स रु
ल य न य न ॥ ॥ ॥ ज न य सि म न सि कि मि मि यु र्व दं ष्टू म म व च न म नी हि न
रु दं ॥ ॥ ॥ ह नि नू य या डु व द मि व हू म धू र्त् कि मि मि क ना पि हू द य म मि वि
धू र्त् ॥ ॥ ॥ धी ज य द व रु णि म म ति ल लि र्त् स र व य डु न सि क ज र्त् ह नि व नि र्त्
॥ ॥ ॥ ॥ ति ग्ध य त्पू र्त् षा सि य त्पू ने म मि कू द्रा सि य डा गि णि दू ष क्का सि
य दू ष व वि म र्व गी या ना सि न सि मि यु य। न य कं वि प नी म का नि णि ग व णी

गी. ला.
२६

नयदिन अयसिह सुमिद मगद नूर्य ॥ ४ ॥ सु नु कु व क म् या न् प नि म वि
मं ऊ नी नं ऊ य तु ग व ह द य द र्ग न स तु न स ना मि न व घ न ऊ घ न म धु ल धा ष
य तु म न्म थ नि द र्ग ॥ ५ ॥ सु ल क म ल ग ऊ न म म ह द य न ऊ नं ऊ नि ग न नि
नं ग य न र्ग र्ग र ह द म ह द वा ति क न वा ति य द ष ड् ऊ स न स ल स द ल क क न
ग ॥ ६ ॥ स न ग न स ल स धु न म म नि न सि म धु न द हि प द य ल्लै म द र्ग क ल नि
म यि द न र्ग म द न क द न न ल र ह न तु न द य हि न वि का न ॥ ७ ॥ न्मि न तु न वा

व २

ग र्ग ॥ ८ ॥ व द न क म ल प नि नी ल न मी ति न मि हि न स म क धु ल र्ग र्ग स्मि न न
चि न्मि न स म ल्ल सि गा ध न य ल्ल व क न न नि ल र्ग ॥ ९ ॥ न्मि कि न द न्मि ता द
न ऊ ल ध न स न्मि न क स म स क र्ग मि मि न्मि न वि धु नि र्म ल म धु ल म ल य ऊ
मि ल क नि व र्ग ॥ १० ॥ वि प ल प ल क द न द नु नि र्म न मि क लि क ल ा हि न धी र्म मि
ग द कि न द स मू र स मू क ल र्ग ष द स र्ग ग नी र्ग ॥ ११ ॥ धी र्ग य द व र्ग मि न म
मि र्ग र्ग र्ग वि र्ग व वि र्ग ष द र्ग र्ग प्र द म न ह दि स वि र्ग वि नि धा य र्ग नि र्ग क

गी. गी.

३५

नादयसार्न ॥ ८ ॥ ॥ अतिक्रम्यापाईं वधयथयर्थकगमनपयासनवाङ्माक
नलननरावंपनितयाः ॥ दानीनाधयाः प्रियनमसमाताकसमयपपागस
दासप्रधानवहर्षाधुनिकन॥ ८ ॥ उक्त्याल्ल्यानैककयटकधुनिपिहिनस्मि
नयागलाहादहिनवहिनालीपनिजन ॥ प्रियास्यपर्थत्याः स्मननववक्षक
नलरुयंसललातेलापियवगमोतेदुर्नमृगदग॥ ॥ ॥ अतिगीगीगीगीविन्द
सानन्दगीविन्दोनामप्रकाद॥ ११ ॥ ॥ गतवगितस्वीवृन्दमन्दगुण

नामः
३५

६२

कि

मयविनादवसादं ॥ १ ॥ मामपिविरुलनृषाविकलीकृन्मवलौगमधूनदंमी
तिगतकिगमिवनयनंनवविस्तुजयममनतिखदं ॥ १ ॥ श्रीजयदवरुतिगमि
दमन्यदनिगदिगमधुनिष्मादं जनयकुनसिकजनस्मनाहननगित
सलावविनादं ॥ ८ ॥ ॥ प्रत्यहपूतकांकरुधनिविशालधनिमषधवकीज
कृगविलाकिनधनसुधापानकथानर्मरिः ॥ आनन्दारिगमनमन्मथकला
युडपियस्मिनरुदहृगसगयावैरुवसनगानमः प्रियंरावक॥ ८ ॥ दास्यासि

गी. (म)

३१

यमिमधयधनरुनधायीति तथालिजे नाविधादनेः दगाधनपुटध
लीनटनाहमहाहसनातमिगकवधनसुधस्यन्दनसंमाहिगकाककाम
पिहफिमापनदहाकामस्यवामागमिध॥ प्रालेननिकलिसंकलनधानमृग
यासाहसंप्रायधकाकजयायकिश्चिदपनिप्रानहियत्तुमागानिस्यन्दाऊघ
नक्तलीसिथिलगादावृत्तिनक्तमिर्नवक्षामीतिगमहिपोनृषनसुधुदीर्घक
थं सिद्धमि॥ गत्याः पाटलपाणिजौकिनमनानिडाकषायादलोनिर्दोगाधनध

नामः

३१

दिमाविल्लिमाविल्लिगासुरुमुजासूईजाधकाधुदीदामदनधुथाधुलमिमि
प्रागर्निस्वानेर्दलोनिर्दकाकमनेरुददुगमहायत्यर्मनकीलिर्नमीसदधि
मिलत्केपालपूतर्कसीत्कानधनावसादव्यकाकलकलिकाकविककाइकीधु
धोनाधन॥ धमसाधुधपयाधनापनियनिषझाकनगीदलोहर्षात्कर्षवियक
निःसरुननाईन्याधयत्यानन॥ ॥ अथकार्कनमिज्ञानमपिमधुनवाधु
या॥ निजगमदनिनावाधनाधत्वाधीनरुर्हका॥ ॥ सोनगीनागा॥ कहला

मा. ला. माला॥ कृत्स्नयदूनन्दनचन्द्रनुष्णिगिनतन्महापद्मपयाधनं सृग्मदयप्रक
३८ मद्युमनारुवसप्रलोकलब्धोदादन॥१॥ निजगादसायदूनन्दनकीर्तिनिद्र
दयानन्दन॥२॥ श्रीलिकूलगीजनसंजनकैरनिनायकसायकमाचन
त्वदयनचम्बनलम्बितकङ्कलमुहलयप्रियलाचन॥३॥ नयनकुर्वंगननद्र
विकाँनिजाकाकनधूमिमधुलमनसिऊपाठाविलासधनश्रुतवेष्टानिवेष्टा
यकधुल॥४॥ उमनेवर्यनवर्यनमूपनिर्व्विन्नसविर्नममसंमुखितक

नामः
३८

卷之六

॥ बुद्धि धी ऊय द व क न गी न (ग) वि न्द सान न्द (ग) वि न्द ना म द्वा द द ४ सर्ग ४
समाप्त ॥ १२ ॥ ॥ श्री ह्री म सनाथ द पूरु कं श्री नि नस्तु ॥ ॥ सर्व भू २३४
आ षा ट व दि ४ वा न बु क्त ॥ ॥ भु क्त मस्तु स व द ॥ ॥ ॥ ना ग जा रि
॥ प न ना रि ॥ ऊय २ श्री सू क्त वि ना य क हा ॥ ॥ ॥ ह न (गो) नी तु म य ग्र क हा य
हा आ खि ल वि घ्न नि वा न द य हा ॥ ॥ ॥ वा नि तु जा तु म व न द लाल हा अरु
य व न दा न य न बु नि य हा ॥ ॥ ॥ व क्त हि तु बु क्त न मा ला वि ना ऊ हा श्री स म
हिर

धीग
४०

पुकयन (महायन हा ॥ ३॥ मम नरु नव नान नान हा नि हा सा हव लरु ड का
प्रतिया ल हा ॥ ४॥ मय १॥ ॥ हे नव ना (ग) वृक्ष गाल ॥ जय जग वंदि न प
नम नृत्य श्व न तु व व न द स ना ऊ ॥ ५॥ नृत्य वि ना ऊं क र्पू न व न वं जटा विरु
प र स न्द न (म) हि न पं क ऊ न य न ॥ ६॥ गी न स ना र्ग गाल मृ दं गी उ रं ग वा ऊं २
इ म क ट र्ग गी न स न ग द नार्थ ॥ ७॥ नृ र्ग नि ना र्ग म ग ल द हं प्र ना मि ना र्थ २
रु क व र्ग स तु व नि र्म ल द हं ॥ ८॥ मय २॥ ॥ हे नव ॥ वृक्ष गाल ॥ जग ऊ न न

नामः
४०

ऊ न छी द ल नि र्ज ऊ न गु र व न दं व न वं ॥ ९॥ धी दि ग ना दी य म ग ल व द नं उ
रं ग वा ऊं २ व र्ग ल प्रा म ग कृ न कृ धु ल लो लं ॥ १०॥ ह र्ग र्ग र्ग गाल न म न र्थ र्थ
स्व व र्ग र्थ र्थ र्ग गाल व र्ग व र्ग कृ न र्ग गी न स गाल ॥ ११॥ रु क प्र ना ल य वा न नि
वा सा प्र ना प र्ति रु २ सा ह न नं व न क र्ग प न म स व र्ग लं ॥ १२॥ मय ३॥ ॥
॥ जा ऊ र्ग नि ॥ १३॥ जय न म न म्मान न्द गि व २ ॥ १४॥ जा हि स म न वि धि वि ना सि
न क ट न ऊ म का र्ग द प्रि नि ला क द या न दा ना ह न ग इ र्ग उ न दं द गि व २ ॥ १५॥

गिव

४९

॥अधनावर्धवनागिवऊटा॥६॥रितगीग श्रीनिनकुवितालमनकिगमित
कसा॥थर्वंड॥१॥वसहवाहननविधकुनाहागलाऊनहंग नईउमावापि
भूसठमनरुदिकमनिमयनंग॥२॥साथरुनवनालऊंगमरुनन॥६॥
ससुसंगयावर्धनीपमिवनहाकिगमितसुमनमनश्रानंदगिव॥३॥म॥४॥
॥५॥॥६॥गुहागिवरुऊनमानगिव गिवरुऊनप्रगनसंसासनका॥
॥७॥गिनपनंगमऊटाधनगिन॥८॥कानकपुलगतनृधुकिमाता॥९॥

गान
४९

ऊगन

॥थेकट॥थे॥मिकिठिमिकिवाऊ॥६॥मिकिठिमिकिउमनवाऊलंपावर्धनिय
मि॥१॥॥२॥॥३॥॥४॥॥५॥॥६॥॥७॥॥८॥॥९॥॥१०॥॥११॥॥१२॥॥१३॥॥१४॥॥१५॥॥१६॥॥१७॥॥१८॥॥१९॥॥२०॥॥२१॥॥२२॥॥२३॥॥२४॥॥२५॥॥२६॥॥२७॥॥२८॥॥२९॥॥३०॥॥३१॥॥३२॥॥३३॥॥३४॥॥३५॥॥३६॥॥३७॥॥३८॥॥३९॥॥४०॥॥४१॥॥४२॥॥४३॥॥४४॥॥४५॥॥४६॥॥४७॥॥४८॥॥४९॥॥५०॥॥५१॥॥५२॥॥५३॥॥५४॥॥५५॥॥५६॥॥५७॥॥५८॥॥५९॥॥६०॥॥६१॥॥६२॥॥६३॥॥६४॥॥६५॥॥६६॥॥६७॥॥६८॥॥६९॥॥७०॥॥७१॥॥७२॥॥७३॥॥७४॥॥७५॥॥७६॥॥७७॥॥७८॥॥७९॥॥८०॥॥८१॥॥८२॥॥८३॥॥८४॥॥८५॥॥८६॥॥८७॥॥८८॥॥८९॥॥९०॥॥९१॥॥९२॥॥९३॥॥९४॥॥९५॥॥९६॥॥९७॥॥९८॥॥९९॥॥१००॥

रु. ४२
वालक

मिश्रस्य चानगुदया श्रपास ॥ ३॥ धन प्रनाथ प्रनृष हनक कंस मन्त्रयम
मलरुमिसवाठरान सवकया धन्यदुख दयान विरुन सुख झाक क्रया
याह नउ धन ॥ ३॥ ३॥ ॥ नाउ विरुय ॥ वा ॥ वालक गमपाल रुया ख्याल
श्रपाल माह सदृष्टि सगल थ गलि संसाल ॥ ४॥ बिलसमगु कल्या क्रधास
कुलुसहया निभमनि उ निष्क्रया उन कनगि प्र सखापाया के सनि न गस
द्विया श्रमिन सन स अ सगुदा ॥ १॥ श्रमिन नंदन धन मिखा पल पमि वान वन
ह।

गमः
४२

रु. ४३

॥ गीतस्य नाम मंगल ॥ गालधनाक ॥ रु. आमन वी गल नायक मंगल मंगा
श्रंगम नाहन गम अ वना कित (गम रिगु क सदना ॥ ५॥ मूकट उपन व
उकलाधन ना गरु नी विन वना पन व मादक न धुकि माला चान उडा
हिध नंगा ॥ १॥ सन नन मनि सवध्यान धन न हय सिद्धि गदा धनि वना
आगिनि आसुगना मयूकान सानन के दुख हंगा ॥ २॥ ॥ ॥ गालध
नाक ॥ पन वृक्ष पन म धन यगु पमि ह निव ॥ ५॥ दन धन पन धन यगु

पन

४४

जाति

पाठाक मगुरुहय मगुरुनका नहि दुखधंधा ॥ १॥ वृष्ण सत्रूपि सा पद्यनिसाह
 वलरुडगमयानि जुगनिविनगिसूनियमनि तुवचनटाकि नानदा ॥ २॥ ॥
 म१०॥ ॥ गालधमाका ॥ आगिया कंदिष्टलागिका कूनं जननामिमनावय
 ॥ ३॥ विरुगवधायिवारुस्रविलयन गल मरुं ठकिमाला अहा रुमयनगं
 गविनाऊ आधमृगकि द्याला ॥ ४॥ कनठि गूलदू अकनठ मरुवजावयसुं
 गीतादवजावय रालगिलक विंवचंड विनाऊ वंदमूकं दलगावय ॥ २॥

नामः

४४

श्रीदवि

जय२

बालीगता

गङ्गिकेवनसंदधियाउग ॥ २॥ १५ ॥ ॥ माद ॥ कोमा ॥ श्रीदविऊ
 ननीमायिप्रिउवनसुन्दनिरुयहनदी ॥ ३॥ नविनऊगाह आनिक ॥ ४॥
 मृदुमालिनिमिनिनीनीहाल ॥ ५॥ १॥ सुनश्रास गाह दविमहि
 या सुनमालिनिखमृगि गूलजीनियजीनिय ॥ २॥ १॥ ॥ सारंगी ॥
 यनगाल ॥ जय२ वागवादिनिमंरु हागिनिहकं ऊनकल्यानकाविनि
 सकलऊनयनसदयतावनि ॥ ६॥ कमावनिह ॥ ७॥ कंऊपा मंजिलमम
 ३ मिनि नदि निद वि संह नि संह मा नि नि ॥ ८॥ विष्णु सिवमं गले गायिया

क

४६

जगर्व

न सूर्यविरुनि श्रमिका ॥ १ ॥ अष्टरुजवनसिंहवाहिनिमहिषमहिनि
चण्डिका ॥ २ ॥ अर्धदसैकनिनामयैहयकमानिका ॥ ३ ॥ द ७
दि ७ ॥ ४ ॥ सूनसिगायियरुवनरेनवक्तुजियसावनसिंहयसादमा
गनउमिमसनहमपायियजय ॥ ३ ॥ १२ ॥ ॥ मातृ ॥ ॥ जगर्व
दिनीकमलसाननीरूपमाहिनी ॥ १ ॥ गुणवदनप्रकाशिनी ॥ जगर्वदिनीह
॥ ४ ॥ आदिहितिगुमहसवाहिनीखरूपकधानिनी ॥ पूरुखर्यन

नाम
४६

हरी

नमाहिनी ॥ अयननाकनकेरुपाकनसवहिगुणरुमाहिय ॥ ५ ॥
कानिसूनजकिजानिजगमगललिनमूनमिसूसायियचन्द्रविमख
वृत्रविरुनिसूरुलरुनाजगमामायिय ॥ ६ ॥ विनमिदासजगन्निवा
सुत्रककुहिसनक्षयिप्रदासअयनश्रुजानिवाकसमूमिहुमिग
नक्षयिप्र ॥ २ ॥ २२ ॥ ॥ कादि ॥ यनमाता ॥ हरीमदनक्षगनमा
हश्रासा ॥ ३ ॥ कपतिमूनषदक्षधननाजावाधिगयाऊरुनाजाकल

हीम

७०

क नाम नाखन का न ध ना नि दि या ऊ म या सा ॥ १ ॥ दु स्सा स न न म नि दू दू गु
मानि डाय दि मान उ ना नि हा कि ग या ह्या नि व धि वै (थ न क पि व नु न ग
हा नि ॥ २ ॥ अ जिन क नाम लि य न उ ग यि र्थ च स म न वा सि ही म मा
हा व लि च्छु ग्र वि ना ऊ पू डि नु न श्र वि ना सी ॥ ३ ॥ कह न उ दा सी रु क रु ना
नि ऊ न म ऊ न म गा ह दा सी कै ऊ न ना खा को हि ऊ न म की ना नि दि य ऊ म
हा सी ॥ ४ ॥ २३ ॥ ॥ व ला उ ॥ प न ना त ॥ पा धु न न द न गा ह ना ऊ मा हा

मा धु

नामः

७०

३२

व लि न न ल उ द्गा न रु ग न उ धा न ल ऊ ग ऊ न पू डि न च न ल उ द्गा न ॥
५ ॥ श्र न ल व न ल च्छु वि न य न स म ऊ मि न ऊ पु का (ल कू दू त ना ग म दि म
य रु ष ल कि न ल पु का (ल ॥ १ ॥ डाय दि धि य न न वा म (ल न क न द नि न वि
दा नू दि वा व स न ध न क टि न ल किं कि नि म लि म य धा न ॥ २ ॥ स म न वि (ल
हि न यो नू ष धा न क सिं रु ना द क पि य न म नि पू क ल को न व रू ऊ न ऊ ग न उ
धा न ॥ ३ ॥ गा ह च न ल क म ल यू ग मा न मा न स दि न दि न श्रा स क लि रु ग

पातकसागरनामक उगमक आस ॥ ६ ॥ २४ ॥ ॥ मानगी ॥ वा ॥ अयउय
 ७१ हीमसाहावली वास डायदिचं युक्तवनहीरु गवनि मृनिवनसंदनी ॥ ६ ॥
 ॥ मकाहात्रसिर्गावन ॥ मरु कागि मृनृण मखरहेन वंदस्मासनरुनकी
 वक मृनृक कृशमनिकुलमां ठव ॥ १ ॥ कोनैताठकहिने वापमिहंदन
 मात्रननंदन निष्कलखं विन ॥ नित पातक कलसन कलित समसा
 वन ॥ २ ॥ रुयसवहात्रक इखनिवानक पद यूगदनिगविमावक व

नाम
 ७१

व ३

का १

सं १

नगपूजा कदि अवनदायक मृतानन्द सरु क ॥ ३ ॥ २५ ॥ ॥
 मानुष ॥ ॥ वाहा ॥ ॥ पनगा ॥ मानुषमायिक नामरु जान ॥ ६ ॥ मृदुमासि
 निमृरुयवनरूपिनी मृरु कुजा नाह मायि माथ मृकूट लालध
 जायहिन प्रीत प्रकृ वि ॥ १ ॥ ॥ स्वस्व स्वर्ण न प्रि मूल उमनृर्ण
 खवकुधन नीन पाग मृगन सवस मायि काटि देह्य स हात्रि ॥ २ ॥
 नाहि धनद नाहि जनद नाहि मानद मायि सिद्धि देहादासदन

उलनी

॥समिकसनायप्रह...नवकुलायनवकुमकुयसउधनउलनी॥१॥

२४

विमुलमयनूपिनिउलनिकहायिकसिपाकडिननानि॥२॥हगति

हावनहिचनहालगमयिकनवकिचुडानयायि॥३॥पनिनश्रधम

हमकुमननहायिगमवयदासकुमानि॥४॥३१॥ ॥कारि॥वा॥

नाम

श्रीनामवनहायनवानिआवडी॥ध्रु॥नामउयासिवनयडाकागी

उनवहनिगंमनिगलिनमकुलउतमननउ...उयऊहाननकुनंम॥

नाम

जध

वाजनथाकठहाअचानमकुकरुगुलिनिसिवाकसननसदुवाका॥२॥वा

कुरकुरहुसखवपलिनचुसश्रमिकुमिपिकायावदुसासनस्याक॥३॥

॥ध्रुकिमिकनहाकाससिंहवकुनिचाकसलाचनवासस्याकश्रमिनमगध

क॥४॥४०॥ ॥मालव॥प्रगा॥प्रिउवनवदिननाथगाहनचनहा

विनजनमश्रसान॥५॥हृष्टिकानहागाहउगनवायापिसहधुकम

सदससगुलप्रकास॥१॥श्रनहावनहानूपनयनध्वयानरुगमिदखिय

रुआ
५६

कुरुदलरुयगात्र॥२॥यठश्रयनाधमयसत्रिनश्रसत्रिकयदरुमृष्टिस्व
नरुऊनमसात्र॥३॥रुनऊयनरुडिगुरुवपदसात्रविनमिस्रनियभात्र
कुरुवपात्र॥४॥४१॥ ॥वनावलि॥५॥रुआमनमायादविनन्दन
पुरुवरुणपूकात्रऊगगउधनरुकात्ररुधमनमृनिनूपरुधाह॥६॥को
मिऊननकनिकथिनमित्रनकारुदनजानि।रुनधननकनिकप्रुधवउ
चात्रिनमावृधायकहात्र॥१॥आमिऊनममृलिघनमवसिकनगउध

गम
५६

मनखवित्तसत्रदवदेत्यदनुअआदिभिवसाधना॥१॥अमलकमलप
दविनाऊअननवासश्रानिवासतूपतिनुसर्कवलिआगहावना॥२॥
५८॥ ॥मानु॥३॥ससात्रउधनमावउगअननि॥४॥नित्यनित्यदन
नवित्रउगुतात्रनिमनिमयपनवाधिननविआक॥१॥रुमुदकुरु
तकावविआककुरुग्यनिऊगतसमइआतिगुलयावखान॥२॥ह्लाकक
रुनाथयापुनयावमनानथनुकिमुकिसंपतिविवनदान॥३॥५८

श्रुति

॥३॥

॥ **॥** निखनिखदतसनदहाजनना **॥५॥** निलसमप्रककुलुसनीसवनना
रुगहनिसंपतिप्रमथकुनानिदहा **॥६॥** खज्जदेतकउमरुखतांगकहिमुलुभा
निनीविन्दुपापुर्ककालिवतालवाहिनिदहा **॥७॥** ताषधुमिषतिताषधुनांग
ताव्येसंगातनाययमाहाकालहेनवपुवसंगिभादहा **॥८॥॥॥** **॥** निवसत्रपतामताहश्रुतिकनिनु **॥९॥** तफकनकवनमिदविग्यकिरूपवर्मनाम
तामत्रपतानाथदिव्यजातिभमना **॥१०॥** विविधनतखयितमुद्रातहूवनादिकाति **॥११॥**

गंदिवनागकुलुलादिमाठिमातरूषिता **॥१२॥** कहतरकजनकेपापअन्धका
सव्यापिताहननामदिव्यजातिमित्रनासकानिता **॥१३॥॥॥** **॥** मानु **॥**
॥१४॥ श्रुतिहावतगतितनयायजनमजनमजिदासग्नपालया **॥१५॥** अन्न
कनपासमात्रादिपुत्रवयाअन्नगअवतानकाशक्रया **॥१६॥** वदउभनकयावः
तसमलुलधनलिधनधनतपुक्रया ननसिंहसिंहयादानवतूतिनपायिकाया
वतवक्रया **॥१७॥** वामनवाक्रनवदवियानलवतिनाजाहृतयाकक्रया नाम

श्रुति
रुघना
१५

लता

मदतिउपाय ॥४॥ ११॥ ॥ वा ग म म ॥ वा ॥ श्रुमनामरुयसिताः
नाम ॥५॥ पुत्रिप्ररुशसत्ररुतात्र, वातलित्तालतहत्रनद्युः
वात्र ॥॥ ततेनसिंहासनवधि, यत्रद्युनाय, श्रुतिकत्राको
सयामायि ॥२॥ सितानामत्रकमनरुत्रथसंगुगन, एतसिदाः नाम
सवत्रनायत्रजामा ॥३॥ १६॥ ॥ वा ग ॥ वा ॥ हां लो न रुः ॥५॥
लानाथकिश्रुतिकीर्तनमनधननयक्राशालकीर्त ॥५॥